सत्य और अहिंसा के पुजारी – महात्मा गांधी

हमेशा सच बोलो।

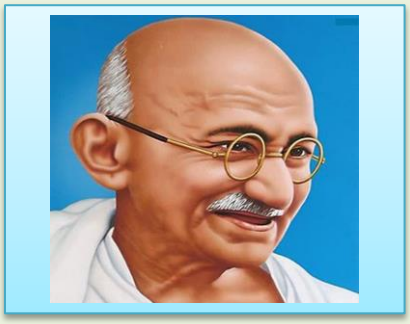

कभी किसी को चोट मत पहुँचाओ।

बच्चो, आज मैं तुम्हें एक ऐसे व्यक्ति की कहानी सुनाने जा रहा हूँ, जिन्हें पूरा संसार **"महात्मा गांधी"** के नाम से जानता है।

भारत के बच्चे उन्हें प्यार से **बापू** कहते हैं। बहुत समय पहले, **2 अक्टूबर 1869** को गुजरात के पोरबंदर नामक जगह में

एक छोटे से बच्चे का जन्म हुआ।

उसका नाम था – **मोहनदास करमचंद गांधी**।

बचपन में गांधीजी बहुत ही शर्मीले और सच्चे थे। एक बार स्कूल में टीचर ने उन्हें नकल करने को कहा, लेकिन गांधीजी ने साफ़ मना कर दिया।

उन्होंने कहा – *"गलत काम करके पास होने से अच्छा है ईमानदारी से फेल होना।"*

बच्चो, सोचो कितनी सच्चाई थी उनमें! बड़े होकर गांधीजी ने वकालत (Law) की पढ़ाई की। फिर उन्होंने ठाना कि वे देश की सेवा करेंगे।

स्वतंत्रता की लड़ाई

उस समय भारत अंग्रेजों का गुलाम था। गांधीजी ने तय किया कि वे बिना लड़ाई-झगड़े के आज़ादी दिलाएँगे।

उन्होंने सबको सिखाया –

"अहिंसा और सत्य सबसे बड़ी ताकत हैं।"

उन्होंने **डांडी मार्च** किया, जहाँ हजारों लोग उनके साथ नमक बनाने निकले।

उन्होंने सबको समझाया –

"डरो मत, झूठ मत बोलो, और देश के लिए मिलकर काम करो।"

आख़िरकार, उनकी मेहनत और सबकी एकता से

15 अगस्त 1947 को भारत आज़ाद हो गया। गांधीजी ने साबित किया कि **बिना हथियार उठाए भी पूरी दुनिया को बदला जा सकता है।**

30 जनवरी 1948 को गांधीजी इस दुनिया से चले गए।

लेकिन आज भी उनकी बातें हमें रास्ता दिखाती हैं।

उपाधियाँ - "महात्मा", "बापू" और "राष्ट्रपिता"

"Your small contribution can help shape a brighter future for many students. If you find it valuable, consider donating at UPI ID - [redacted] Every contribution counts. Thank you!"

- To Get A Personalized Set Of Worksheet For Child, Please Send 'Hi' On WhatsApp – 7248217332